दूरस्थ क्षेत्रों में खोले जाएंगे पॉलीटेक्निक कॉलेज : योगी

प्राविधिक शिक्षा की 105 करोड़ की 75 योजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण, वाणिज्य कर विभाग के नए 'ट्रांजिट हॉस्टल' का शुभारंभ

फैजाबाद रोड स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक में सम्मानित मेधावियों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन, प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह एकेटीयू कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा भुवनेश कुमार, निदेशक प्राविधिक शिक्षा [illegible] सचिव प्राविधिक शिक्षा परिषद [illegible] कुमार सिंह

राजकीय पॉलीटेक्निक में अपने मॉडल के साथ छात्र-छात्रा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में पॉलीटेक्निक कॉलेज खोले जाएंगे। ऐसे 57 स्थानों पर पॉलीटेक्निक निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। 23 नए कॉलेज और खोले जा रहे हैं ताकि सभी वर्गों तक तकनीकी शिक्षा की पहुंच हो सके। मुख्यमंत्री ने रविवार को राजकीय पॉलीटेक्निक में आयोजित एक समारोह में प्राविधिक शिक्षा की 105 करोड़ की 75 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने वाणिज्य कर विभाग के ट्रांजिट हास्टल का भी शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित छात्रों की ओर से प्रस्तुत मॉडल में अभिनव प्रयोग देखने को मिले हैं। समाज की समस्याओं को दूर करने में इनोवेटिव आइडियाज की बड़ी भूमिका है। प्रतिभा किसी वर्ग, व्यक्ति की बपौती नहीं है। इस तरह के कार्यक्रमों से प्रतिभाओं को मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये लगातार कार्य कर रही है। पूरी पारदर्शिता के साथ छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति व छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की पहली किस्त 2 अक्टूबर को और दूसरी किस्त 26 जनवरी को हर हाल में छात्रों के खाते में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि प्राविधिक शिक्षा विभाग को 'स्टेट स्कॉच अवॉर्ड-2018' प्रदान किया गया है। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में राज्य ने पौने दो साल में बहुत उन्नति की है। जल्द ही सेंट्रल प्लेसमेंट सेल स्थापित किया जाएगा, ताकि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। प्रदेश में पॉलीटेक्निक कॉलेजों को और उन्नत बनाने के लिए 2000 कंप्यूटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शैक्षिक स्तर बढ़ाने के लिए, कई इंजीनियरिंग कॉलेजों से अनुबंध किए गए हैं। प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने टॉप रैंकर्स को 300 लैपटॉप का वितरण करने के साथ सक्षम बालिका सम्पन्न परिवार योजना के अंतर्गत छात्रों को चेक बांटे। उन्होंने संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद कार्यालय में 'स्टेट ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल' का शुभारंभ भी किया। इसके साथ ही हैदराबाद नॉलेज फाउंडेशन एवं [illegible] सेंटर, चेन्नई एवं प्राविधिक शिक्षा विभाग के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। सीएम ने प्राविधिक शिक्षा विभाग की नवीन वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव वाणिज्य कर आलोक सिन्हा, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा भुवनेश कुमार मौजूद थे।

खुशी मिली इतनी कि दिल में न समाए

जागरण संवाददाता, लखनऊ : मेहनत जब रंग लाती है तो खुशी चेहरे पर खिलखिलाती है। उस पल महसूस होने वाला अहसास बयां करना मुश्किल है। बात विद्यार्थियों की हो, तो मेहनत के मायने और खुशी का अहसास कई गुना बढ़ जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा रविवार को राजकीय पॉलीटेक्निक में आयोजित समारोह में सम्मानित हुए छात्र-छात्राओं में देखने को मिला। सम्मान पाकर हर किसी ने यही कहा, खुशी मिली इतनी जो दिल में न समाए। मौका था, प्राविधिक शिक्षा विभाग की ओर से मेधावी सम्मान समारोह के आयोजन का। इसमें प्रदेश स्तर पर टॉप टेन की सूची में शामिल मेधावियों को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया।

- पॉलीटेक्निक में प्रदेश स्तर पर टॉप करने वाले मेधावियों को सीएम ने किया पुरस्कृत

ये हुए सम्मानित

- अंजली राय, ग्लोबल इंस्टीट्यूट, वाराणसी
- निधि वर्मा, एवीएशन इंस्टीट्यूट, वाराणसी
- पूजा जायसवाल, एविएशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वाराणसी
- अवनीश शर्मा, ग्लोबल इंस्टीट्यूट, मऊ
- कैलाश कुमार, भगवती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद
- उमेश यादव, ग्लोबल इंस्टीट्यूट, मऊ
- वंदना चौहान, ग्लोबल इंस्टीट्यूट, मऊ
- अभिनव शर्मा, भगवती इंस्टीट्यूट गाजियाबाद
- लक्ष्मी चौधरी
- तनुश्री श्रीवास्तव

[illegible]

- पीयूष कुशवाहा, [illegible] पॉलीटेक्निक, लखनऊ

- 4094 छात्राओं को मिला सक्षम बालिका योजना का लाभ

लैपटॉप पाकर खिले चेहरे

राजकीय पॉलीटेक्निक लखनऊ

- पंकज उपाध्याय, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- अंकित कुमार, सिविल इंजीनियरिंग
- मो. सरताज, सिविल इंजीनियरिंग
- श्वेता गुप्ता, आईटी
- श्रीकांत बिंद, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

राजकीय महिला पॉलीटेक्निक

- अंजली मौर्य, मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एंड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस
- शालिनी, पीजीडीसीए
- प्रिया चौरसिया, एफडीजीटी
- कोमल गुप्ता, पीजीडी, एकाउंटेंसी
- अदिति शुक्ला, आईटी

4094 छात्राओं को मिला योजना का लाभ

सक्षम बालिका संपन्न परिवार योजना के तहत छात्राओं को तकनीकी शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के पॉलीटेक्निक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने पर क्रमश: दस हजार, आठ हजार व पांच हजार रुपये की धनराशि देकर सम्मानित किया गया। इसके तहत राजकीय पॉलीटेक्निक की इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष की छात्रा पूर्णिमा सिंह, सिविल इंजीनियरिंग की सुहाना कुशवाहा, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की नीतू पटेल, आइटी की गौसिया खान, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की रंजू सिंह। राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ की आर्किटेक्चर अंतिम वर्ष की अमृता पाण्डेय, एफडीजीटी अंतिम वर्ष की सना फातिमा, आइटी की रेशमा नवाज, अर्पिता श्रीवास्तव, इलेक्ट्रॉनिक्स की दीपिका के अलावा प्रदेश की 4094 छात्राओं को इस योजना का लाभ मिला।

75 परियोजनाओं की मिली सौगात

समारोह में मुख्यमंत्री ने 75 परियोजनाओं की सौगात दी। इसके तहत 14 छात्रावास जिसमें पांच छात्राओं के लिए व नौ छात्रावास छात्रों के लिए बनाए गए हैं। इसके अलावा छह राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थाओं के भवन का लोकार्पण किया गया। आठ रूफ टॉप सोलर प्लांट्स, 15 वर्चुअल क्लासरूम, 25 कंप्यूटर लैब का भी शुभारंभ किया गया।

दैनिक जागरण (18/02/2019)

'अब जनता तक पहुंच रहा पूरा एक रुपया'

राजकीय पॉलिटेक्निक में 'प्राविधिक शिक्षा उन्नति की ओर' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

एनबीटी, लखनऊ

तकनीक के इस्तेमाल से भ्रष्टाचार को काफी हद तक खत्म किया जा चुका है। पहले सरकार की ओर से दिए गए एक रुपये में 10 पैसे ही समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचते थे। आज पूरा एक रुपया पारदर्शिता के साथ लोगों तक पहुंच रहा है। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजकीय पॉलिटेक्निक में कही। वह 'प्राविधिक शिक्षा उन्नति की ओर' कार्यक्रम के तहत 'मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान और सक्षम बालिका, संपन्न परिवार' समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने प्राविधिक शिक्षा की 75 परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। इस दौरान प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन और राज्य मंत्री संदीप सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राविधिक शिक्षा विभाग में पिछले दो सालों में कई योजनाएं चलाई गई हैं। सरकारी बजट में हुई लेटलतीफी और समय पर काम न होने की दिक्कतों को भी सुधारा गया है। इसी कारण यूपी को 2018 का बेस्ट गेम चेंजर अवॉर्ड से नवाजा गया है। दो साल से छात्र-छात्राओं की स्कॉलरशिप भी समय पर पहुंच रही है। साल 2016-17 में 21 लाख बच्चों को, 17-18 में 23 लाख और मौजूदा समय में 25 लाख छात्र-छात्राओं की स्कॉलरशिप सीधे खाते में जा रही है।

इन योजनाओं का हुआ लोकार्पण: 75 परियोजनाओं में से 27 परियोजनाएं भवन निर्माण से संबंधित हैं। इनमें 6 पॉलिटेक्निक संस्थानों में आवासीय और अनावासीय भवन, पांच महिला और नौ पुरुष छात्रावास समेत 7 अन्य भवन का लोकार्पण किया। पॉलिटेक्निक संस्थानों में इलेक्चर की सुविधा के लिए 15 पॉलिटेक्निक संस्थानों में वर्चुअल क्लासरूम, 8 पॉलिटेक्निक संस्थानों में निर्बाध बिजली के लिए रूफ टॉप सोलर पैनल लगवाए जा रहे हैं। वहीं 25 पॉलिटेक्निक संस्थानों में समुचित कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए कंप्यूटर लैब बनवाई जा रही है। 57 स्थानों पर पॉलिटेक्निक संस्थान बनाए जा रहे हैं, वहीं 23 प्रक्रिया में हैं।

ट्रांसिट हॉस्टल का लोकार्पण: मुख्यमंत्री ने वाणिज्य कर विभाग के ट्रांजिट हॉस्टल का लोकार्पण भी किया। इसे 3.53 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजकीय पॉलिटेक्निक में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान। 75 परियोजनाओं का किया लोकार्पण।

लैपटॉप पाकर खिले चेहरे

संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2018 की मेरिट सूची में आने वाले तीन सौ छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। इनमें सामान्य वर्ग के 100 छात्र, 100 छात्राएं और 100 एससी, एसटी जाति के विद्यार्थी शामिल थे। राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ के मकैनिकल इंजिनियरिंग के पंकज उपाध्याय, सिविल इंजिनियरिंग के अंकित कुमार, मोहम्मद सरताज, श्वेता गुप्ता और श्रीकांत बिंद, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ से पीजीडीसीए की शालिनी, मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट की अंजलि मौर्या, एफडीजीटी की प्रिया चौरसिया, पीजीडी अकाउंटेंसी की कोमल गुप्ता, आईटी की अदिति शुक्ला को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

छात्राओं को दिए 10 हजार रुपये

सक्षम बालिका सक्षम परिवार योजना के तहत पहले, दूसरे और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को 10 हजार रुपये की धनराशि दी गई। इसमें राजकीय पॉलिटेक्निक, लखनऊ अंतिम वर्ष की इलेक्ट्रॉनिक्स की पूर्णिमा सिंह, सिविल इंजिनियरिंग की सुहाना कुशवाहा, इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग की नीतू पटेल, आईटी की गौसिया खान और मकैनिकल इंजिनियरिंग की रंजू सिंह को धनराशि मिली। इस योजना के तहत 4094 छात्राओं को धनराशि दी गई है। वहीं राजकीय महिला पॉलिटेक्निक लखनऊ की छात्राएं अमृता पांडेय, सना फातिमा, रेशमा नवाज, अर्पिता श्रीवास्तव, दीपिका मौर्या को भी मंच से चेक दिए गए।

ये बने ब्रैंड ऐंबैसडर

कार्यक्रम के दौरान प्राविधिक शिक्षा विभाग यूपी ने गोविंद सिंह परिहार और संजीव दीक्षित को ब्रांड ऐंबैसडर बनाया गया। वहीं छात्रों को प्लेसमेंट देने के लिए टाटा मोटर्स लिमिटेड को भी सम्मानित किया गया।

नवभारत टाइम्स (18/02/2019)